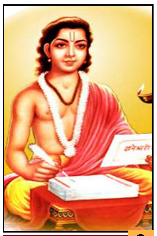

पृष्ठ संख्या 2

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 02 | अंकः 9 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, सोमवार 7 अगस्त, 2023 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

40 लाख महिलाओं को 10 अगस्त से मिलेंगे स्मार्टफोन

जयपुर (संस्कार सृजन)। प्रदेश में प्रत्येक वर्ग के कल्याण तथा उत्थान को केन्द्र में रखते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राज्य सरकार विभिन्न नवाचारों तथा योजनाओं द्वारा आमजन को लाभान्वित कर रही है। अगस्त माह में राज्य सरकार द्वारा चिरंजीवी परिवारों की महिला मुखिया को इंटरनेट सेवा युक्त निःशुल्क मोबाइल फोन दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने चिरंजीवी परिवारों की महिला मुखिया को इंटरनेट कनेक्टिविटी युक्त स्मार्टफोन उपलब्ध करवाने की घोषणा की थी। इसी क्रम में इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना के तहत 40 लाख महिलाओं को स्मार्टफोन एवं डाटा सिम

वितरित करने के लिए 10 अगस्त से प्रदेशभर में जिला एवं ब्लॉक स्तर शिविर आयोजित किए जाएंगे।

योजना के अन्तर्गत प्रथम चरण में सरकारी विद्यालयों की कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत छात्रओं, सरकारी उच्च शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत छात्रओं, विधवा अथवा एकल नारी पेंशन प्राप्त महिला, मनरेगा में 100 कार्य दिवस पूर्ण करने वाले एवं इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना में 50 कार्य दिवस पूर्ण करने वाले परिवारों की 40 लाख महिला मुखियाओं को लाभान्वित किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा लाभाथ के ई-वलेट में 6,125 रुपये मोबाइल फोन के लिये तथा 675 रुपये सिम कार्ड मय इंटरनेट डाटा प्लान के लिये हस्तांतरित किये जायेंगे।

गहलोत सरकार का बड़ा फैसला:डिजिटल मीडिया कर्मियों का होगा अधिस्वीकरण

जयपुर (संस्कार सृजन)। मंत्रिमंडल ने वर्ष 2022 - 23 की बजट घोषणा के क्रम में राजस्थान प्रेस प्रतिनिधि अधिस्वीकरण नियम 1995 में संशोधन करते हुए अधिस्वीकरण के नियमों का सरलीकरण किया है। इससे अब अधिकतम पत्रकारों का अधिस्वीकरण हो सकेगा और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो सकेगा।

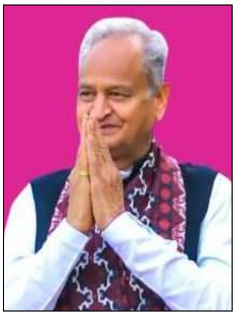

अधिस्वीकरण के लिए अब आवेदन की न्यूनतम आयु 25 वर्ष की गई है। साथ ही अधिकरण के लिए डिजिटल मीडिया में संपादक, संवाददाता एवं संपादकीय डेस्क पर कार्यरत सभी पत्रकार, प्रेस फोटोग्राफर, कैमरापर्सन, व्यंग्य चित्रकार एवं स्वतंत्र रूप से कार्य करने वाले पत्रकार भी शामिल होंग। मंत्रिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की परिभाषा में संशोधित संशोधन करते हुए उसमें डिजिटल मीडिया को भी शामिल किया है। साथ ही जो अधिस्वीकृत पत्रकार 75 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुके हैं ,उन्हें अधिस्वीकरण कार्ड आजीवन स्थाई रूप से जारी किया जा सकेगा।

हमारा वतन के संपादक राम गोपाल सैनी को मिला कल्चरल नेशनल अवार्ड

जयपुर (संस्कार सृजन)। राजस्थान की राजधानी जयपुर से 59 वर्षों से लगातार प्रकाशित हमारा वतन साप्ताहिक समाचार पत्र के संपादक राम गोपाल सैनी को कल्चरल नेशनल अवॉर्ड - 2023 से सम्मानित किया गया है । बेटी फाउंडेशन क्लब और गोल्ड इवेंट्स द्वारा 30 जुलाई को जयपुर स्थित होटल मिस्टिक फाल्स में आयोजित एक समारोह में संपादक राम गोपाल सैनी को मुख्य अतिथि राज खान, सेलिब्रिटी एस्ट्रोलोजिस्ट महावीर सोनी, आयोजक राज शर्मा और राहुल शर्मा ने अपने कर कमलों से कल्चरल नेशनल अवॉर्ड-2023 प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजक राज शर्मा और राहुल शर्मा ने बताया कि राम गोपाल सैनी छोटी से छोटी खबर को भी प्राथमिकता से प्रकाशित करते हैं । इनको पत्रकारिता के क्षेत्र में पूर्णतया ईमानदारी और सत्यता के साथ दिए गए योगदान को देखते हुए कल्चरल नेशनल अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है । हमारी संस्था ऐसे स्वच्छ एवं ईमानदार व्यक्तित्व को सम्मानित कर गर्व महसूस कर रही है ।

शांतिकुंज हरिद्वार रवाना किया गेहूं का ट्रक

चौमूं (संस्कार सृजन)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री प्रज्ञा पीठ संस्थान चौमूं की ओर से शांतिकुंज हरिद्वार के माता भगवती भोजनालय हेतु 17 टन गेहूं का ट्रक सभी भामाशाह द्वारा एवं गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं ने मिलकर रवाना किया। कार्यक्रम की शुरुआत के दौरान दीप प्रज्ज्वलित कर सभी का स्वस्तिवाचन के साथ मंगलाचरण किया गया। सभी को शांतिकुंज से आए आशीर्वाद के रूप में गायत्री परिवार का दुपट्टा पहनाकर सभी वरिष्ठ जनों का सम्मान किया गया। मंच पर गायत्री परिवार राजस्थान के प्रभारी ओम प्रकाश अग्रवाल का गायत्री प्रज्ञापीठ चौमूं के अध्यक्ष विनेश अग्रवाल ने अभिवादन किया।

वही ट्रस्ट उपाध्यक्ष एडवोकेट जितेंद्र सिंह बीजावत द्वारा प्रांतीय ट्रस्टी प्रशांत भारद्वाज का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया । सचिव राजकुमार शर्मा ने बताया कि प्रज्ञा पीठ के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं

ने मिलकर शांतिकुंज हरिद्वार हेतु गेहूं का संकलन किया एवं प्रज्ञापीठ के द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. प्रशांत भारद्वाज द्वारा बताया गया कि सतप्रयोजन के लिए दान कभी व्यर्थ नहीं जाता अपितु कई गुना फल मिलता। वही प्रदेश प्रभारी ओम प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि मुंबई महानगर में 1100 कुंडीय अश्वमेध गायत्री यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। जिसमें उन्होंने चौमूं गायत्री परिवार से जुड़े सभी सदस्यों को अपना योगदान देने हेतु आमंत्रण किया एवं प्रज्ञापीठ चौमूं की वर्तमान की प्रगति रिपोर्ट देखकर सभी ट्रस्टियों की प्रशंसा की ।

मंचासीन अतिथियों ने कार्यक्रम के पश्चात शांतिकुंज हरिद्वार के लिए भगवा झंडी दिखाकर जयघोष के साथ नारे लगाते हुए गेहूं का ट्रक रवाना किया व शांतिकुंज हरिद्वार के प्रतिनिधि वेदप्रकाश सम्मान किया। इस दौरान सांवरमल अग्रवाल, गजेंद्र सिंह बीजावत, रामधन टाक, जगदीश प्रसाद शर्मा, रामबाबू सैन, पवन माहेश्वरी, शैतान यादव, वैद्य बंशीधर शर्मा, मदन विजयवर्गीय, महेंद्र विजयवर्गीय, डॉ अजीत सिंह शेखावत, दीनदयाल पारीक, शिव प्रसाद पालीवाल, हेमराज कुमावत, अमित गोठवाल, मालचंद गोठवाल, ममता दादरवाल, शालिग्राम अग्रवाल, थानाराम जाट, बसंत अग्रवाल, डॉक्टर जेपी सैनी, तेजस,कर्मण्य, राजेंद्र सैन, नाथूलाल जाट, रमेश राजपाल एवं परिव्राजक दयाराम राजपाल आदि परिजन उपस्थित रहे।

महिलाओं ने मनाया लहरिया महोत्सव, हॉर्न ना बजाने की ली शपथ, दीपिका शर्मा बनी सद्भावना सावन लहरिया की क्वीन

जयपुर (संस्कार सृजन)। सद्भावना परिवार वूमेंस क्लब के तत्वाधान में सावन लहरिया महोत्सव 2023 का आयोजन एक निजी होटल में किया गया। सदभावना परिवार वूमेंस क्लब की अध्यक्ष शिवाकांत पांडे ने बताया कि लहरिया सद्भावना सावन लहरिया महोत्सव में रैंप वॉक, ग्रुप डांस, गेम्स, लक्की ड्रा, सामूहिक लहरिया नृत्य रखा गया । जिसमे 71 महिलाओं को विशेष आकर्षक उपहार दिए गए । प्रायोजित सभी प्रतियोगिताओं में अव्वल दर्जा प्राप्त करते हुए दीपिका शर्मा, उपविजेता प्रीतिमा भारदारद्वाज, तृतीय शालू मेहरा सावन लहरिया क्वीन विजेता चुनी गई । सपना सिंह प्रथम उप विजेता., राखी सिंह द्वितीय विजेता चुनी गई । फिल्म अभिनेता जोजो ने प्रतियोगी महिलाओं के साथ लहरिया नृत्य पर ठुमके लगाए। राजस्थान घूमर क्वीन - 2023 मोना वर्मा राजस्थान के कलाकार विनर पंखुड़ी व चित्रांशी की भवाई नृत्य की स्पेशल गेस्ट परफॉर्मेंस मुख्य आकर्षण रहा । प्रसिद्ध कोरियोग्राफर रोहित शर्मा द्वारा रैंमप वॉक प्रशिक्षण दिया गया ।

सद्भावना परिवार के अध्यक्ष मनोज पांडे ने लहरिया महोत्सव के बारे में बताते हुए कहा कि लहरिया के बिना सावन अधूरा है । सावन में लहरिया सकून और सौभाग्य का प्रतीक है । लहरिया की उत्पत्ति 19वीं शताब्दी में हुई । विशेष लहर और तरंग की डिजाइन एवं रेगिस्तान में मिट्टी में पड़ी हुई लहरों के समान इसका रूप दिया गया । लहरिया राजघरानों की महिलाओं के लिए विशेष रूप से तैयार किया जाता था । नीले रंग का लहरिया आज भी मेवाड़ राजपरिवार के महिलाओं की निशानी है।

सभी विजेताओं को जेकेजे परिवार के जतिन मोसून, के टी सी ग्रुप के चेयरमैन राज खान, सफारी ग्रुप के चेयरमैन पवन गोयल, सद्भावना परिवार के संरक्षक निर्मल गोयल, अध्यक्ष मनोज पांडे ने ट्रॉफी एवं उपहार देकर सम्मानित किया। सद्भावना सावन लहरिया महोत्सव 2023 मैं भाग लेने वाली लगभग 350 सभी महिलाओं एवं अतिथियों ने हॉर्न ना बजाने की शपथ ली।

बॉलीवुड फिल्म स्टोलन में नज़र आएंगे जयपुर के अंकित सैन

जयपुर (संस्कार सृजन)। यूँ तो राजधानी जयपुर के कई कलाकारों ने बॉलीवुड फिल्मों में अमिट छाप छोड़ी है, लेकिन अब एक और कलाकार अपने अभिनय का जलवा बिखेरता नज़र आएगा । जी हाँ ! निर्देशक करण तेजपाल व निर्माता गौरव ढिंगरा की फिल्म स्टोलन में जयपुर निवासी फिल्म एक्टर अंकित सैन नज़र आएंगे । फिल्म का प्रीमियर जल्द ही वेनिस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2023 में होगा । फिल्म की मुख्य भूमिका में अभिषेक बैनर्जी, शुभम और मिया मेल्ज़र हैं । इस फ़िल्म कि शूटिंग पुष्कर व दिल्ली में हुई है।

फ़िल्म को लेकर अंकित काफ़ी उत्साहित हैं । उनके कैरियर के लिए ये फिल्म बहुत महत्वपूर्ण है। इस फ़िल्म की स्टोरी सुःप्रभात में एक रेलवे स्टेशन से शुरू होती है, जो चुराए हुए बच्चे के ऊपर है । चुराया हुआ बच्चा जुम्पा नाम कि एक महिला के पास होता है। गौतम और रमन दो भाई इस फ़िल्म के मुख्य किरदार होते है।

एक्टर अंकित बताते है कि इस फ़िल्म की कास्टिंग जयपुर से जेएसएमआर कास्टिंग एजेंसी से हुई। अंकित ने इससे पहले भी कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन ये फिल्म उनके कैरियर के लिए सोने पर सुहागा साबित होगी।

संपादकीय

हम दोबारा मुस्कराना सीख रहे हैं

उनका नाम किको क्रॉनो है। वह जापानी 'स्माइल कोच' हैं। उनकी पूरी टीम उत्तर कोविड दुनिया या पोस्ट कोविड वर्ल्ड में जापान की जनता को मुस्कराना सिखा रही है। जापान, एक ऐसा देश, जहां लोग मुस्करा कर ही जवाब देते थे, पर अब वहां अनगिनत चेहरों से मुस्कराहट गायब हो गई है। चीन के युवाओं की भी स्थिति ठीक नहीं है। भारत में भी जीवनशैली व व्यवहार पर कोविड के प्रकोप का प्रभाव नामक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि 18 से 70 की उम्र तक के सभी लोग किसी न किसी प्रकार के मानसिक तनाव में हैं। बहुतों का मन बोझिल है और नींद गायब। भारत में उतना गहरा अध्ययन नहीं हुआ है, पर खुशी को पैमाना मानें, तो भारत दुनिया के 136 देशों के बीच 126वें स्थान पर आता है। निस्संदेह, भारतीयों को हंसाना पहले की तुलना में कठिन हुआ है। कई वीडियो सोशल मीडिया पर प्रचलित हैं, जो बताने लगे हैं कि किसी बात पर कब हंसना है। असली हंसी की जगह नकली व तयशुदा हंसी हावी होती जा रही है। भारतीय उद्यानों में भी सुबह-शाम नकली ढंग से खुलकर हंसना सिखाने वाले लोग अक्सर मिल जाते हैं। आखिर भारत जैसे देश में ऐसी हंसी की जरूरत क्यों पड़ रही है? वैसे, पिछली सदी के अंतिम दशक में ही देश में 'लाफिंग क्लब' की शुरुआत हो गई थी। भारत में शुरू से यह माना गया है कि स्वस्थ रहने के लिए हंसना-मुस्कराना जरूरी है। हालांकि, एक बड़ा सच है कि भारत में भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जिन्हें ठीक से हंसे जमाना हो गया है। इसका असर परिवार व तमाम रिश्तों पर पड़ा है। जीवन में अनेक प्रकार की समस्याओं और सामाजिक आर्थिक अस्थिरता ने ऐसा माहौल बना दिया है, जहां सभी अकेले रहना चाहते हैं। दुनिया के ज्यादातर देशों में महामारी के बाद का असर साफ तौर पर दर्ज किया जा रहा है। क्या कोविड के बाद हमारे हाथ से हमारी पुरानी दुनिया छूट गई? क्या हमारा चेहरा कुछ बदल गया है? इस 'न्यू नॉर्मल' ने मानो उस चेहरे पर नजर लगा दी है, जिस चेहरे ने इंसानी कौम को होमो सेपियंस के बाद पहचान दी थी। जापान ने भी लगातार संक्रमण झेला है। बीते मार्च के बाद जब वहां मास्क लगाना अनिवार्य नहीं रहा, तो लोगों के उदास चेहरे सामने आ गए। अब तो यह स्थिति है कि लोग 'स्माइल कोच' की सेवा ले रहे हैं। मुस्कराने और हंसने की कक्षाएं ली जा रही हैं। जिस कोविड ने नौकरी, पारिवारिक रिश्ते, अकेलापन आदि विषयों के साथ मनुष्य को अकेला छोड़ दिया, उस जीवन के क्षणभंगुर सत्य के बीच मुस्कराने को खो देना या भूल जाना, मानो एक इंसान का सबकुछ छीन लेना है। यह मुस्कराहट फिर वापस कैसे आए? जापानी कोच किको क्रॉनो अपनी स्माइल एजुकेशन की कंपनी इगाकु चलाती हैं। वह मानती हैं कि इतने साल बाद मास्क हटाने के बाद लोग 'सेल्फ कॉन्सस' हो चुके हैं, इसलिए उन्हें मुस्कराना सीखना पड़ेगा। उन्होंने अकेले जापान में करीब चार हजार लोगों को फिर से मुस्कराने की कला सिखाई है, लेकिन क्या मुस्कराहट या खुशी प्रशिक्षण का विषय है? मुस्कराना तो इंसान की खुशी को दर्शाता है। अमेरिका में जब 2019 में सेवा क्षेत्र के कर्मियों की मुस्कराने की आदत का अध्ययन किया गया।

इन चार स्थानों पर रहना है व्यक्ति के लिए मुर्खता

आचार्य चाणक्य की गणना विश्व के श्रेष्ठतम विद्वानों में की जाती है। उनके द्वारा रचित चाणक्य नीति को वर्तमान समय विधि लाखों युवाओं द्वारा पढ़ा जाता है। आचार्य चाणक्य अर्थशास्त्र, रणनीति और राजनीति जैसे अनेकों विषय के ज्ञाता थे। इसके साथ उन्होंने सरल श्लोक के रूप में अनेकों नीतियों का निर्माण किया था, जिनसे व्यक्ति को सफलता प्राप्त करने में आसानी होती है। इसके साथ आचार्य चाणक्य ने यह भी बताया है कि व्यक्ति को विपत्ति से बचने के लिए क्या-क्या करना चाहिए। आइए चाणक्य नीति के इस भाग में जानते हैं, किन चार स्थानों पर रहना है व्यक्ति के लिए मुर्खता?

चाणक्य नीति के अनुसार, इन चार स्थानों पर व्यक्ति को नहीं रहना चाहिए

यस्मिन् देशे न सम्मानो न वृत्तिर्न च बान्धवा: ।
न च विद्यागमोऽप्यस्ति वासस्तत्र न कारयेत् ।।

अर्थात- जिस देश में सम्मान न हो, जहां अजीविका का कोई साधन न मिले, जहां कोई अपना न रहता हो। साथ ही जहां विद्या-अध्ययन संभव न हो, ऐसे स्थान पर व्यक्ति को कभी नहीं रहना चाहिए।

पहला स्थान- आचार्य चाणक्य इस श्लोक के माध्यम से बता रहे हैं कि जहां व्यक्ति को, महिलाओं को, बड़े-बुजुर्गों को सम्मान न मिलता है। ऐसे स्थान को कभी भी ठिकाना नहीं बनाना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि ऐसे स्थान पर अराजकता अपने चरम पर होती है और अनुशासन हीन लोग ऐसे स्थान पर वास करते हैं।

दूसरा स्थान- आचार्य चाणक्य आगे बताते हैं कि जहां आजीविका का कोई स्रोत न हो, ऐसे स्थान पर रहना भी मूर्खता के समान है। ऐसे स्थान पर धन के आदान-प्रदान का आभाव होता है और यहां अन्य सुख-सुविधाओं की भी कमी रहती है।

तीसरा स्थान- जिस स्थान पर कोई जानकार या परिवार का कोई सदस्य न रहता हो, ऐसे स्थान पर नहीं रहना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि जीवन में कभी-कभी मुसीबत आने पर यह आपके सबसे निकट होते हैं और हर सुख-दुःख में साथ रहते हैं।

चौथा स्थान- चाणक्य नीति के अनुसार, जिस स्थान पर विद्या या अध्ययन का कोई स्रोत न हो। ऐसे स्थान पर रहना भी मुर्खता का काम है। इस स्थान पर अज्ञानता का प्रभाव अधिक रहता है।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✻ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✻ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✻ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✻ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आद्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✻ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✻ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✻ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✻ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✻ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड़ पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

✻ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

क्यों आदिगुरु कहे जाते हैं शिव

सनातन धर्म में भगवान शिव को सृष्टि के संहारक के रूप में पूजा जाता है। शास्त्र एवं वेदों में यह वर्णित है कि भगवान शिव की उपासना करने से साधकों के सभी दुख और पीड़ाएं दूर हो जाती हैं। जिन साधकों पर भगवान शिव की कृपा बनी रहती है, उन्हें जीवन में नकारात्मक विचार नहीं आते हैं। साथ ही साधक को ज्ञान की प्राप्ति होती है। बता दें कि वेद एवं ग्रंथों में भगवान शिव को आदिगुरु कहा गया है। अब प्रश्न यह उठता है कि, भगवान शिव को गुरु या आदिगुरु क्यों कहा जाता है? इसके पीछे कई रोचक तथ्य दिए गए हैं। आज हम इसी विषय पर बात करेंगे और जानेंगे कि, क्यों कहा जाता है भगवान शिव को आदिगुरु?

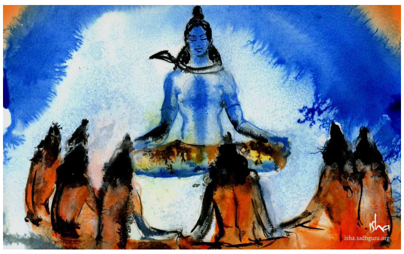

किन्हे कहा जाता है गुरु?

संस्कृत भाषा में गुरु शब्द का अर्थ है शिक्षक या ज्ञान दाता। जो मनुष्य को अज्ञानता से ज्ञान की ओर ले जाते हैं, उन्हें गुरु कहा जाता है। गुरु की देखरेख में एक शिष्य कई प्रकार के गुण सीखता है। साथ ही वह जीवन में उपयोग लाई जाने वाली विभिन्न नीति, अनुशासन व नियमों को गुरु से ही प्राप्त करता है। वास्तव में गुरु की महिमा का कोई भी वर्णन नहीं कर सकता है। गुरु का स्थान भगवान से भी अधिक होता है। इसलिए एक श्लोक में कहा गया है कि गुरु ही ब्रह्म है जिन्होंने सृष्टि के रचना की, गुरु ही सृष्टि के पालक हैं, जैसे भगवान विष्णु और गुरु ही सृष्टि के संहारक हैं, जैसे भगवान शिव।

भगवान शिव को क्यों कहा जाता है आदि गुरु

देवाधिदेव महादेव मनुष्य को उनकी कर्मों के बंधन से मुक्त करते हैं। बता दें कि प्रमुख वेदों में भगवान शिव के विभिन्न नामों का वर्णन किया गया है। अथर्ववेद में भगवान शिव को महादेव, शिव, शम्भू कहा गया है। यजुर्वेद में भोलेनाथ को रौद्र और कल्याणकारी कहा गया है। उपनिषद में शिव जी को गुरु और जगतगुरु के नाम से वर्णित किया गया है। वहीं ऋग्वेद में देवाधिदेव को रुद्र के नाम से संबोधित किया गया है। वाल्मिकी रामायण में भी भगवान शिव को परम गुरु की उपाधि दी गई है।

गुरु का यदि हम शाब्दिक अर्थ देखते हैं तो शास्त्रों में यह बताया गया है कि गु अक्षर का अर्थ अंधकार है और रु का अर्थ निरोधक बताया गया है। ऐसे में जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है और अज्ञानता के मार्ग को मिटाकर ज्ञान का मार्ग दिखाता है, उन्हें ही गुरु का जाता है।

भगवान शिव हैं ज्ञान और योग के मुख्य स्रोत बता दें कि शास्त्रों में सप्त ऋषियों के विषय में विस्तार से बताया गया है। इसके साथ यह भी बताया गया है कि सप्त ऋषियों का जन्म ब्रम्हा जी के मस्तिष्क से हुआ था। इसलिए इन सप्त ऋषियों को ज्ञान-विज्ञान, धर्म, ज्योतिष और योग में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

यह सप्त ऋषि हैं- वशिष्ठ, विश्वामित्र, कण्व, भारद्वाज, अत्रि, वामदेव और शौनक। खास बात यह है कि सप्त ऋषियों को शिक्षा प्रदान करने का दायित्व भगवान शिव के पास था। मान्यता है कि सर्वप्रथम जिन 7 लोगों को योग, कर्म और वैदिक ज्ञान प्राप्त हुआ था, उन्हें सप्त ऋषि के नाम से जाना जाने लगा। इसका अर्थ यह भी निकलता है कि भगवान शिव से ही योग, धर्म-कर्म, वैदिक ज्ञान का उद्गम हुआ था। यही कारण है कि हम भगवान शिव को आदिगुरु या आदियोगी के रूप में पूजते हैं।

अर्जुन नहीं उठाते हथियार तो इस तरह का होता कौरवों का राज

अर्जुन श्रीकृष्ण से कहते हैं कि अपने सगे-संबंधियों, गुरुजनों और मित्रों का वध करके मैं राज्यप्राप्ति का सुख भोगूं, क्या ऐसा करने से मुझे आत्मसंतुष्टि हासिल हो सकेगी। इससे तो बेहतर है कि मैं बिना किसी को नुकसान पहुंचाए वन में जाकर संन्यासी का जीवन व्यतीत करने लगूं। यहां वही भ्रांति है जो लोग अध्यात्मवादियों के बारे में रखते हैं। इस तरह की भ्रांति की वजह से लोग यह मानते हैं कि अध्यात्म के मार्ग पर चलने वाला कभी महत्वाकांक्षी नहीं हो सकता। भगवान श्रीकृष्ण इस भ्रांति का निराकरण करते हुए अर्जुन को लड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। अभिप्राय यह है कि अर्जुन यदि हथियार डाल देता तो संसार के सीमित संसाधन हमेशा के लिए कौरवों के हाथों में ही रह जाते और कौरव उनका अनुचित इस्तेमाल करते हुए अपनी प्रजा का शोषण करते। यानी जब चरित्रहीन व्यक्ति संसाधनों के स्वामी बन जाते हैं तो समाज में कदाचार और अराजकता फैलने की संभावना प्रबल हो जाती है। इसके उलट चरित्रवान और सदाचारी व्यक्ति अपने विवेक और प्रज्ञा का इस्तेमाल करते हुए सामाजिक समरसता और सेवाभाव से अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति करता है।

जीवन में सदा सुखी रहने के लिए अपनाएं साईं बाबा के ये अनमोल विचार

भारत में साईं बाबा को एक महान संत के रूप में जाना जाता है। साईं बाबा ने अपने जीवनकाल में कई ऐसे चमत्कार दिखाए जिससे लोगों ने इनमें ईश्वर का अंश महसूस किया। इन्हीं चमत्कारों के कारण कई लोग उन्हें भगवान का अवतार भी मानते हैं। शिरडी में रहने के कारण उन्हें शिरडी वाले साईं बाबा भी कहा जाता है।

शिरडी के साईं बाबा को एक भारतीय अध्यात्मिक गुरु, योगी और फकीर थे। उन्होंने अपने जीवन में ऐसी कई अनमोल विचार दिए हैं जिन्हें जीवन में अपनाने से व्यक्ति को कई समस्याओं का समाधान मिल सकता है। आइए जानते हैं उनके ये अनमोल विचार।

साईं बाबा के अनमोल वचन यदि कोई कितनी ही निंदा क्यों न करें, फिर भी कटु उत्तर देकर उस पर क्रोध नहीं करना चाहिए। यदि व्यक्ति इन स्थितियों से बचा रहता है तो वह निश्चित ही सदा सुखी रहता है।

कई लोग ये सोचकर भी गलत काम कर लेते हैं कि उन्हें कोई देख नहीं रहा। लेकिन साईं बाबा कहते हैं कि इंसान को एकांत में गुनाह करने से भी बचना चाहिए, क्योंकि इसका सबसे बड़ा गवाह स्वयं भगवान होता है।

मुश्किल दिनों को लेकर साईं बाबा कहते हैं कि

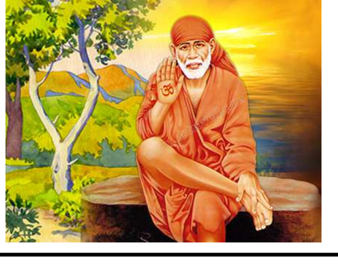

थोड़ा सब्र कर ए इंसान ये मुसीबत भरे दिन भी गुजर जाएंगे। आज जो लोग तुमको देख कर हंसते हैं, वे लोग कल तुम्हें देखते रह जाएंगे।

कठिनाइयां जब आती है तो कष्ट देती हैं पर जब जाती है तो आत्मबल देकर जाती हैं, जो उन कष्टों और दुखों की तुलना में हजार गुना ज्यादा मूल्यवान होता है।

व्यक्ति कई बार इस घमंड में रहता है कि उसे किसी की जरूरत नहीं है। इसे लेकर साईं बाबा कहते हैं कि %अभिमान नहीं होना चाहिए कि मुझे किसी की भी जरूरत नहीं पड़ेगी और यह वह भी नहीं होना चाहिए कि सबको मेरी जरूरत पड़ेगी।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष – आपकी पारिवारिक गतिशीलता बरकरार रह सकती है। अपने माता-पिता से बात करने के लिए समय निकालने की कोशिश करें, क्योंकि उनके पास आपसे कुछ महत्वपूर्ण बातें हो सकती हैं। आपके बच्चे आपकी खुशी का कारण बन सकते हैं । दूसरों के काम के बारे में कठोर राय बनाने से बचें। शांति से बात करने की कोशिश करें और सम्मान और कूटनीति से मामले को सुलझाएं। कार्यक्षेत्र में आप आराम कर सकते हैं।

वृष – आप अपनी फिटनेस में कुछ स्थिरता देख सकते हैं। व्यायाम करने से आपको तरोताजा महसूस करने में मदद मिल सकती है, लेकिन अपनी शारीरिक सीमाओं का ध्यान रखना सुनिश्चित करें। प्रेमी के साथ का आनंद आपको मिल सकता है। यदि आप चीजों को अगले स्तर पर ले जाने की योजना बना रहे हैं, तो ऐसा करना उपयुक्त हो सकता है।

मिथुन – कार्यक्षेत्र और व्यापार में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा। व्यापार में आर्थिक लाभ के अवसर सामने आएंगे। कार्यक्षेत्र में स्थितियों में सुधार आएगा। परिवार में किसी बात पर मनमुटाव की स्थिति बन सकती है। पुराने समय से चले आ रहे विवादों का निस्तारण हो सकता है। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परंतु पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक, लेकिन सफलता कम रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। मन में नकारात्मक विचारों से बचें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

कन्या - अपनी रचनात्मक क्षमता के कारण लाभ हो सकता है। बच्चों का पढ़ाई में मन लगेगा। प्रेम सम्बंध के लिए समय अनुकूल है। साथी से विवाह की बात कर सकते हैं। घर खरीदने की योजना बना सकते हैं। व्यवसाय में वृद्धि की संभावना है। नए निवेश का लाभ मिलेगा। आपके जीवनसाथी के पास कोई अच्छी खबर हो सकती है जिसे वे आपके साथ साझा करना चाहेंगे।

सिंह - अपनी रचनात्मक क्षमता के कारण लाभ हो सकता है। बच्चों का पढ़ाई में मन लगेगा। प्रेम सम्बंध के लिए समय अनुकूल है। साथी से विवाह की बात कर सकते हैं। घर खरीदने की योजना बना सकते हैं। व्यवसाय में वृद्धि की संभावना है। नए निवेश का लाभ मिलेगा। संपत्ति की बिक्री महत्वपूर्ण लाभ ला सकती है।

तुला – आपका स्वास्थ्य अच्छा हो सकता है। योग आपको अपना सर्वश्रेष्ठ स्वरूप देने में मदद कर सकता है। आपकी रोमांटिक संभावनाएं भी आशाजनक नजर आ रही हैं। अपने जीवनसाथी के साथ चीजों को अगले स्तर पर ले जाने की कोशिश करने के लिए समय अच्छा हो सकता है। अपने साथी के साथ कुछ अच्छी गुणवत्ता का समय बिताने की कोशिश करें । कामकाज के मोर्चे पर आपको सफलता मिलने के योग हैं। कुछ रुकावटें आपके रास्ते में आ सकती हैं लेकिन आप उनसे निपटने के तरीके खोज सकते हैं।

वृश्चिक – प्रेम इस समय अत्यंत उत्साहित हो सकता है। आप अपने साथी के प्रति काफी भावुक महसूस कर सकते हैं। यात्रा करना बुद्धिमानी नहीं है क्योंकि यह आपके संचित धन को खत्म कर सकता है और आपके स्वास्थ्य की दिनचर्या को बाधित कर सकता है। शारीरिक फिटनेस आपको बेहद केंद्रित बनाए रखेगी। काम थोड़ा नीरस हो सकता है लेकिन इसमें घबराने की कोई बात नहीं है।

धनु – यह शांत रहने और कुछ आकर्षक अवसरों की प्रतीक्षा करने का समय है। बड़े व्यापारी आपके व्यवसाय में निवेश करने में रुचि दिखा सकते हैं। खर्च सोच- समझकर ही करें। इस समय का उपयोग वित्तीय बाजार के बारे में अधिक जानने के लिए करें ताकि आप बाद में निवेश के कुछ अवसरों की तलाश कर सकें। बुजुर्गों का आपको अतिरिक्त ध्यान रखना पड़ सकता है क्योंकि वे किसी बीमारी से पीड़ित हो सकते हैं।

मकर – बिजनेस के दिग्गजों की नजर स्टार्ट-अप वालों पर हो सकती है। आप अपने पेशेवर जीवन में तेजी से आगे बढ़ सकते हैं। मल्टी-टास्किंग और बहुमुखी प्रतिभा आपके दो चमकदार गुण हैं जो आपको काम में सफल होने में मदद कर सकते हैं। यह आपके परिवार के लिए उतार-चढ़ाव वाला समय हो सकता है। आपके अच्छे स्वास्थ्य और धन के साथ-साथ व्यावसायिक विकास का भी समय है।

कुंभ – आपका प्रेम संबंध मजबूत रहेगा। आप रिश्ते को लेकर संवेदनशील हो सकते हैं । हमेशा पार्टनर के पर्सनल स्पेस का सम्मान करें और उपलब्धियों को भी महत्व दें। कभी भी माता-पिता की आलोचना न करें जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। जो लोग अविवाहित हैं उनकी मुलाकात भीड़, रेस्टोरेंट, समारोह या किसी आधिकारिक कार्यक्रम में किसी दिलचस्प व्यक्ति से हो सकती है। आप नौकरी बदलने के इच्छुक हैं तो आत्मविश्वास के साथ रिज्युमे भेजें।

मीन – आपको बड़ों का प्यार मिलेगा। आपके जीवनसाथी के पास आपके लिए कोई महत्वपूर्ण खबर हो सकती है। आपके बच्चे आपको शिक्षा से जुड़ी कोई खबर देकर चौंका सकते हैं। आपके व्यवसाय में बिक्री में वृद्धि हो सकती है। आपको कोई सकारात्मक समाचार सुनने को मिल सकता है। आप कोई बड़ी खरीदारी कर सकते हैं। अपने फिजूल के खर्चों को सीमित करने की कोशिश करें, क्योंकि इससे कुछ बचत करने में मदद मिल सकती है।

गीत (ख्वाबों में)

मैंने तुमको ख्वाबों में
आते - जाते देखा है
दिल ने मुझे बतलाया है
तूँ किस्मत की रेखा है
ख्वाब में तुम आती हो ज़ब - ज़ब
चैन कहीं खो जाता है
क्या तुम मुझको बतलाओगी
क्या मुझको हो जाता है
मन मेरा भरता ही नहीं
जी भर के तो निरेखा है
मैंने तुमको ख्वाबों में
आते - जाते देखा है
दिल ने मुझे बतलाया
है तूँ किस्मत की रेखा है
चाहे से भी नजर हटे ना
ऐसी सूरत तेरी है
अल्हढ़ होकर मस्त निगाहें
करतीं तेरी फेरी हैं
देखो झाँक के दिल
में जरा उसमें एक झरोखा है
मैंने तुमको ख्वाबों में
आते - जाते देखा है
दिल ने मुझे बतलाया
है तूँ किस्मत की रेखा है
कौन हो तुम? और नाम है क्या?
जी चाहे तो बतलाना
मैं, मेरा तन- मन - दिल
सब चाहे तेरा हो जाना
मन न करे तो बतला
देना किसने तुमको रोका है
मैंने तुमको ख्वाबों में
आते - जाते देखा है
दिल ने मुझे बतलाया
है तूँ किस्मत की रेखा है

सिद्धार्थ गोरखपुरी

चंद्रयान मिशन (कविता)

चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर,
चन्द्रायन-3 पहुँच जायेगा।
निज राष्ट्र की गौरव गाथा में,
खुशी हर भारतीय मनाएगा।
दिवस 14 जुलाई,2023
मध्यान्ह अढ़ाई को,
सतीश धवन अंतरिक्ष
केंद्र से प्रक्षेपित किया।
प्रक्षेपास्त्र रॉकेट एलवीएम
थ्री एम फोर से,
अविस्मरणीय पलों ने
गौरवान्वित किया।
चंद्र धरा की मिट्टी
पत्थर एवं खनिजों का,
अध्ययन अवसर अब
हिन्द को मिल पायेगा।
निज राष्ट्र की गौरव गाथा में,
खुशी हर भारतीय मनाएगा।
इसरो वैज्ञानिकों ने
श्रीहरिकोटा रेंज से,
जग में स्वराष्ट्र सम्मान
को नया मोड़ दिया।
सदैव सशक्त भारत
निर्माण के खातिर,
नित प्रयासों से प्रक्षेपण
को अंज़ाम दिया।
बयालीस दिवस की सफल
यात्रा के बाद,
आखिर तेबीस अगस्त
को पहुंच जायेगा।
निज राष्ट्र की गौरव गाथा में,
खुशी हर भारतीय मनाएगा।
छः सौ पन्द्रह करोड़ लागत से,
चंद्रयान-3 बनकर तैयार हुआ।
वैज्ञानिक प्रयोगों के संचालन से,
भारत का सपना साकार हुआ।

महेन्द्र सिंह
कटारिया विजेता,
सीकर

आम के पत्तों का इस तरह करें उपयोग हर काम में मिलेगी सफलता हिंदू

संस्कृति में प्रकृति को एक महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इसी के चलते कई पेड़-पौधों को पूजनीय भी माना गया है। इसी प्रकार आम के पेड़ का भी विशेष महत्व है। इसकी पत्तियों से लेकर लकड़ियों तक का प्रयोग मांगलिक कार्यों में किया जाता है। वास्तु शास्त्र में आम की पत्तियों के कुछ उपाय बताए गए हैं जिन्हें करने से व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है।

आम के पेड़ का महत्व विवाह, पूजन या गृह प्रवेश आदि जैसे मांगलिक कार्य में आम के पत्ते शुभ माने जाते हैं। इसके बिना कोई भी शुभ कार्य पूरा नहीं माना जाता। ऐसा माना जाता है कि मांगलिक कार्यों में इनका प्रयोग करने से नकारात्मक ऊर्जा काम में बाधा नहीं पहुचाती।

ये करें वास्तु उपाय ज्योतिष शास्त्र में आम के पेड़ को मंगल का कारक माना गया है। इसलिए मांगलिक कार्यों में इसके पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। घर के मुख्य द्वार पर आम के पत्ते लटकाने से परिवार को बुरी नजर नहीं लगती। साथ ही इससे नकारात्मक ऊर्जा भी घर में प्रवेश नहीं करती है। जिस कारण घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

काम में मिलेगी सफलता शनिवार के दिन आम के पेड़ की पूजा करने से रुके हुए कार्य पूरे होने लगते हैं। साथ ही हर कार्य में व्यक्ति को सफलता मिलने लगती है। घर के मंदिर को आम के पत्तों से सजाना चाहिए साथ ही भगवान गणेश की मूर्ति के पास आम के पत्ते रखें।

कहानी (सच्ची तालीम)

यह कहानी हैं शरारती राजू की। राजू एक ऐसा शरारती बच्चा हैं जिसने पूरे मौहल्ले की नाक में दम कर रखा है । उसकी शरारते भी ऐसी होती कि लोगो के आपस में झगड़े ही करवा देती । वो कभी किसी की साइकल पंचर कर देता, तो कभी किसी के घर की बेल बजाकर भाग जाता ।

मौहल्ले वाले राजू से बहुत परेशान हो चुके थे । राजू की उम्र इतनी भी कम नहीं थी, कि उसे बच्चा समझकर छोड़ दिया जाये, इसलिये सभी उसको बहुत डांटते और कभी-कभी तो मार भी देते थे।

प्रभाती लाल सैनी

जब उसके पापा, दफ्तर से घर वापस आते, तो राजू उनसे पड़ोसियों की शिकायत करता । कभी कहता, उसे शर्मा अंकल ने डाटा या कभी गुप्ता आंटी ने झाड़ू से मारा। जब राजू के पापा पड़ोसियों से बात करने जाते, तो पड़ोसी उल्टा उन्हे ही चार बाते सुना जाते। राजू के पापा, उसकी शरारतों से परेशान हो चुके थे ।

एक दिन, राजू के पापा ने सोचा, आज वो दिन भर राजू के साथ रहेंगे और उसकी सभी शरारतों मे उसका साथ देंगे।

सुबह से ही राजू की शरारते शुरू हो गई। उसने पड़ोसी का न्यूज़ पेपर छिपा दिया । जब गुस्से से लाल पड़ोसी बाहर आया, तो उन्हे देख राजू ज़ोर- ज़ोर से हंसने लगा । इस बार राजू के साथ उसके पापा को देख पड़ोसी के गुस्से का पारा, मई की गर्मी से भी कई गुना ज्यादा हो गया था । गुस्से से लाल पड़ोसी ने दोनों को बहुत सुनाई, पर जब राजू और उसके पापा को कोई फर्क नहीं पड़ा, तो वो भी दरवाजा पटकते हुये घर के अंदर चला गया। अब मोहल्ले में बाते भी शुरू हो गई थी । लड़का क्या कम था, जो बाप भी ऐसा करने लगा ।

राजू ने दिनभर बहुत सी शरारते की, उसके पापा ने भी उसका भरपूर साथ दिया । रात को उसके पापा ने राजू से कहा ङ्क तुमने आज बहुत सारी शरारते की और तुम्हें मजा भी बहुत आया पर, अब कल मैं शरारते करूंगा । क्या तुम मेरा साथ दोगे। राजू को तो यह सुनकर मजा ही आ गया।

अब अगले दिन सुबह, राजू के पापा, उसे सब्जी बेचने वाली बुढ़िया के पास ले गये। राजू, अक्सर ही उस बुढ़िया को बहुत परेशान किया करता था । कभी उसकी सब्जियाँ फेंक देता, तो कभी उसकी चप्पल चुरा लेता । फिर वो बुढ़िया डंडा लेकर उसके पीछे भागती ।

राजू को लगा पापा भी कुछ ऐसा करेंगे, लेकिन उसके पापा ने कुछ अलग किया । बुढ़िया जैसे ही अपनी सब्जियों से दूर गई । राजू के पापा ने, राजू के साथ मिलकर सब्जियाँ साफ करके जमा दी । बुढ़िया वापस आई तो, जमी हुई सब्जियाँ देख कर बहुत खुश हुई । थोड़ी देर बाद, जब बुढ़िया की आँख लग गई, तो राजू के पापा ने बुढ़िया की टूटी चप्पल ठीक करवाकर रख दी । जैसे ही बुढ़िया उठी, चप्पलों को देख उसकी आंखे भर आई और वो कहने लगी - भगवान उस फरिश्ते को खुश रखना, जिसने मेरे लिए इतना किया।

शाम होते - होते तक राजू के पापा ने छिपकर बुढ़िया की बहुत मदद की। राजू को भी छिप- छिपकर ये सब करने मे बहुत मजा आ रहा था । पर वो यह नहीं जानता था, कि इस बार वो शरारत नहीं, बल्कि लोगो की मदद कर रहा हैं। थोड़ी देर बाद, राजू के पिता ने बुढ़िया से जाकर कहा - माता जी, आप जानना नहीं चाहती, कि आज आपकी मदद कौन कर रहा है ? बुढ़िया ने कहा - हाँ, बिलकुल जानना चाहती हूँ । तब राजू के पिता ने राजू को आगे बुलाया और कहा - माता जी, ये सब राजू ने किया है । राजू को लगा, आज फिर बुढ़िया उसे झाड़ू से मारेगी और वो भागने लगा । तब बुढ़िया ने उसे पकड़ा और गले लगा लिया। साथ ही, राजू को एक चोकलेट भी दी।

राजू को कुछ समझ नहीं आ रहा था । वो अपने पापा के साथ वापस घर आ गया । पूरे टाइम बोलते रहने वाला राजू आज चुप था। राजू के पापा ने उससे कहा - राजू बेटा, आज जो तुमने किया, क्या तुमको उससे खुशी मिली ? राजू ने कहा -हाँ पापा, और एक चॉकलेट भी मिली । राजू के पापा ज़ोर- ज़ोर से हंसने लगे। राजू के पापा ने उसे समझाते हुये कहा - बेटा, तुम रोज- रोज सबको परेशान करते हो, फिर सब तुम्हें डांटते हैं और फिर तुम मुझसे आकर, उनकी शिकायत करते हो । लेकिन आज तुमने सबकी मदद की, तो उन्होने तुम्हें बहुत प्यार किया । राजू को सारी बाते समझ आ जाती हैं और वो शरारते करना बंद कर देता है ।

जीवन को सरल और सहज बनाना है तो सबसे पहले इन भ्रम को करें दूर

संसार एक भ्रम है, मिथ्या है। ज्ञान से इस भ्रम और मिथ्या को दूर किया जा सकता है। जरूरी नहीं कि जो हम देख रहे हों, सुन रहे हों, वह सत्य ही हो। दुनिया कुछ नहीं बल्कि एक धोखा है। वास्तव में इस जगत का कोई अस्तित्व नहीं है। जो ऐसा सोचते हैं उनके लिए मौत के बाद मुक्ति के बारे में सोचने के लिए यह एक अच्छी प्रेरणा है। अगर ऐसा ही है तो यह बात मायने नहीं रखती कि हम जीते हैं या मरते हैं। यह एक सपना है, सपना चले जाने से किसी को जरा सा भी दुख नहीं होता, मन वापस सामान्य हो जाता है। यह एक बंद आंख का और एक खुली आंख का सपना है। खुली आंख में यह दिखने लगेगा तो जीवन में बोध आ जाएगा। ज्ञान के प्रकाश से ही इस धोखे को काटा जा सकता है। कहा जाता है कि एक संत गंगा के किनारे आश्रम में रहकर शिष्यों को पढ़ाते थे। एक दिन उन्होंने रात होने पर अपने एक शिष्य को कोई वस्तु दी और बोले इसे अंदर जाकर मेरे बिस्तर पर रख आओ। शिष्य वस्तु लेकर वापस आया और डरते हुए बोला, 'गुरुदेव बिस्तर पर तो सांप बैठा है।' संत ने कहा, 'तुम दोबारा अंदर जाओ प्रभु के नाम का जाप करना सांप भाग जाएगा।' शिष्य फिर अंदर गया, लेकिन उसने देखा कि सांप वहीं है। वह फिर डरकर वापस आ गया। अब गुरुजी ने कहा कि इस बार तुम दीपक हाथ में लेकर अंदर जाओ। शिष्य दीपक लेकर अंदर पहुंचा तो दीपक की रोशनी में उसने देखा कि जिसे वह सांप समझ रहा था, वह तो वास्तव में एक रस्सी है। अंधकार के कारण वह उसे सांप की तरह दिखाई दे रहा था। गुरुदेव को जब उसने रस्सी होने की बात बताई तो वह बोले, 'वत्स, संसार गहन मिथ्या का जाल है।

चौमूं विधानसभा में शुरू हुआ 11 हजार बालिकाओं-महिलाओं से रक्षासूत्र बंधवाने का अभियान

चौमूं (संस्कार सृजन)। देश में हो रही विचलित कर देने वाली घटनाओं विशेषकर मणिपुर में पूरे समाज को शर्मसार कर देने वाली घटना से बालिकाओं के मन में जो एक डर की भावना व्याप्त हो गई है, उसको दूर करने के लिए महिलाओं और बालिकाओं में हिम्मत का संचार करने के लिए राजस्थान यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष हरसहाय यादव ने राज्य की 11 हजार बालिकाओं और महिलाओं से रक्षासूत्र बंधवाने के लिए अभियान शुरू किया है। अभियान के जरिये बालिकाओं-महिलाओं को यह एहसास दिलवाया जाएगा कि महिलाओं-बालिकाओं को चंद बुरे लोगों के व्यवहार से हतोत्साहित नहीं होना है और हर विपरीत परिस्थिति का मजबूती से मुकाबला करना है। हरसहाय यादव ने अभियान की शुरुआत शनिवार को जयपुर रोड स्थित दरगाह के पीछे श्रीकृष्ण महिला छात्रावास, चौमूं में अध्ययनरत छात्राओं से रक्षासूत्र बंधवाकर की। यह अभियान रक्षाबंधन तक जारी रहेगा। इस दौरान हरसहाय यादव क्षेत्र में जगह-जगह स्कूल और कॉलेजों में दौरा करेंगे और महिलाओं तथा बालिकाओं से रक्षासूत्र बंधवाकर संवाद करेंगे। महिलाओं को यह एहसास करवाने का प्रयास करेंगे कि प्रत्येक बुराई का अंत निश्चित है । उनका कहना है कि अभियान का उद्देश्य यह सन्देश देना है कि किसी भी विपत्ति में बालिकाएं-महिलाएं खुद को अकेला और कमजोर न समझें, क्योंकि समाज और देश उनके साथ है। छात्रावास में अध्ययन करने वाली बालिकाओं सीमा, शीतल एवं अन्य ने रक्षासूत्र अभियान का स्वागत करते हुए इसे बालिकाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक पहल बताया। उन्होंने कहा कि आज के हालात में समाज में ऐसे अभियान की आवश्यकता है। राजस्थान प्रदेश किसान कांग्रेस प्रवक्ता कृष्णदत्त शर्मा ने बताया कि सभी समाजों और संगठनों तथा गणमान्य लोगों को गाँव-ढाणी तक ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन और भागीदारी करनी चाहिए। इससे बालिकाओं में आत्मविश्वास का संचार होगा और वे किसी भी विकट परिस्थिति का मजबूती से सामना कर सकेंगी।

इस मौके पर हरसहाय यादव ने छात्रावास की बालिकाओं को उपहार-स्वरूप पेन-कॉपी भेंट की । इस अवसर पर पूर्व प्रधान भगवान सहाय धासिल, जयपुर जिला अध्यक्ष यादव महासभा सरदार सिंह चौरिया, मालीराम यादव, उदयवीर सिंह, गजानंद कुमावत सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य का हुआ सम्मान

जयपुर (संस्कार सृजन)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व कैबिनेट मंत्री, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अरुण चतुर्वेदी के निवास स्थान पर तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष व अंतरराष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य का सम्मान किया।

पंडित रविंद्र आचार्य ने बताया कि सम्मान स्वरूप शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया और कई बातों पर चर्चा हुई, अरुण चतुर्वेदी से मिलकर बहुत अच्छा लगा व बाबा श्याम की कृपा इन पर बनी रहे।

इस दौरान पंडित हरिओम शर्मा, प्रमोद भारद्वाज, निर्मल राजपुरोहित, संजय सिंह भाटी, सुमित शर्मा, मुकेश अग्रवाल, पंकज चौधरी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

उमंग सिलाई केंद्र के प्रशिक्षणर्थियों को उपखण्ड अधिकारी के हाथों मिले प्रमाण पत्र

जयपुर (संस्कार सृजन)। यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (यूईएम) जयपुर, रोटरी क्लब व सिंगर इंडिया के सहयोग से चलाये जा रहे यूईएम महिला आजीविका निर्माण गृह के सिलाई प्रशिक्षण लेने वाले प्रथम बैच के विद्यार्थियों को चौमूं उपखण्ड अधिकारी राजेश जाखड़ ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। राजेश जाखड़ व यूनिवर्सिटी वाईस चांसलर के हाथों प्रमाण-पत्र प्राप्त कर महिलाएं काफी खुश नज़र आ रही थी। यूनिवर्सिटी द्वारा चलाये निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र पर प्रत्येक दिन 42 ग्रामीण महिलायें प्रशिक्षित ट्रेनर के माध्यम से ट्रेनिंग प्राप्त कर रही है। यूनिवर्सिटी वाईस चांसलर प्रो डॉ बिस्वेजॉय चटर्जी ने बताया की यू.ई.एम यूनिवर्सिटी का मुख्य उद्देश्य अच्छी शिक्षा के साथ साथ समाजसेवा के कार्य करके समाज को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयासरत है। यूनिवर्सिटी प्रोजेक्ट उपनिदेशक संदीप कुमार अग्रवाल ने बताया की यूनिवर्सिटी अनेको सामाजिक कार्य जैसे गावों में डस्टबिन वितरण करना, अनेकों विद्यालयों के विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह देना, मेडिकल कैंप करना, वृक्षारोपण करने के साथ राजस्थान के 25 गांव जो जयपुर, कोटा व बूंदी जिले में आते है उनमे साक्षरता का कार्यक्रम चला रहा है, जिसमे लगभग 1500 महिलाओं को साक्षर करने के लिए प्रयासरत है।

राजस्थान पुलिस में 3578 कॉन्स्टेबल भर्ती अधिसूचना जारी

जयपुर (संस्कार सृजन)। यदि राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती की तैयारी में जुटे हैं तो यह खबर आपके लिए है। राजस्थान पुलिस के जयपुर स्थित महानिदेशक कार्यालय द्वारा राज्य पुलिस के विभिन्न जिला/यूनिट में कॉन्स्टेबल (सामान्य / चालक / बैण्ड / घुड़सवार / श्वानदल / पुलिस दूरसंचार) के 3500 से अधिक पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। कार्यालय द्वारा वीरवार, 3 अगस्त 2023 को जारी अधिसूचना के अनुसार विभिन्न जिलों/यूनिट्स के लिए विज्ञापित कुल 3578 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन 7 से 27 अगस्त तक किए जा सकेंगे। आवेदन आधिकारिक वेबसाइट, police.rajasthan.gov.in पर किए जा सकेंगे और आवेदन शुल्क 600 रुपये (एससी, एसटी के लिए 400 रुपये) निर्धारित है। राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती के लिए योग्यता - राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती 2023 अधिसूचना के अनुसार आवेदन के लिए उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सेकेंड्री यानी 12वीं की परीक्षा या कोई अन्य समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। हालांकि, पुलिस दूरसंचार यूनिट में कॉन्स्टेबल के लिए 12वीं में फिजिक्स और मैथमेटिक्स या कंप्यूटर साइंस विषय होने चाहिए। साथ ही, उम्मीदवारों का जन्म 1 जनवरी 2006 के बाद और 2 जनवरी 2000 से पहले (महलाओं के लिए 2 जनवरी 1995 से पहले) नहीं हुआ होना चाहिए। राजस्थान के मूल निवासी आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों को अधिकतम आयु सीमा में राज्य सरकार के नियमों के अनुसार छूट दी जाएगी। इनके अतिरिक्त उम्मीदवारों को साथ-साथ शारीरिक मापदण्डों के भी पूरा करना होगा। 2 से अधिक संतान और दहेज लेने वाले अयोग्य घोषित - राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती 2023 के लिए शैक्षिक योग्यता, आयु सीमा और शारीरिक मापदण्डों के साथ-साथ विज्ञापित कुछ विशेष शर्तों को भी पूरा करना होगा। इसमें आवेदक (पुरुष या महिला) की दो अधिस संतान नहीं होनी चाहिए। साथ ही ऐसे उम्मीदवार अयोग्य माने जाएंगे जिन्होंने विवाह के समय दहेज स्वीकर किया होगा। अधिसूचना के अनुसार 'दहेज' शब्द का अर्थ दहेज प्रतिबंध एक्ट, 1961 के अनुसार निर्धारित होगा।

टीकाराम जूली ने जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुना

जयपुर(नि.सं.)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने अलवर के मोती डूंगरी स्थित अपने कार्यालय पर जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुना। मंत्री जूली ने जनसुनवाई में अलवर ग्रामीण क्षेत्र सहित जिलेभर से आए व्यक्तियों की बिजली, पानी, सडक सहित अनेक परिवेदनाओं को सुनकर दूरभाष के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आमजन के कार्यों को प्राथमिकता से तय कर निस्तारित करें। जूली ने कहा कि लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राजस्थान रोडवेज **राजस्थान रोडवेज की 303वीं बोर्ड बैठक**

55 वर्ष या अधिक आयु पर पूर्ण दिव्यांग कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति

निगम कर्मचारियों को चाइल्ड केयर लीव एवं पितृत्व अवकाश संबंधी कर्मचारी हितों के कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बनी सहमति

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की 303वीं संचालक मण्डल बैठक सोमवार को निगम अध्यक्ष आनन्द कुमार की अध्यक्षता में रोडवेज मुख्यालय पर आयोजित हुई।

बैठक में संचालक मण्डल ने मुख्यमंत्री की बजट घोषणा 2023-24 की अनुपालना के क्रम में राज्य सरकार की भांति निगम के कर्मचारियों की 55 वर्ष या उसके बाद स्थायी पूर्ण दिव्यांग कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति देने, वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के क्रम में निगम के ट्रेनी कर्मचारियों को ओपीएस योजना का लाभ देने, निगम के स्थाई आदेशों से शासित कर्मचारियों के साथ-साथ एकल पुरुष कर्मचारी को भी चाइल्ड केयर लीव एवं पुरुष कार्मिकों को पितृत्व अवकाश, अनुकम्पा नियुक्ति की समय सीमा में शिथिलता के सम्बन्ध में सकारात्मक निर्णय लिए गये, जिनको राज्य सरकार में सक्षम स्तर से अनुमोदन के पश्चात् लागू किया जा सकेगा। बैठक में निगम अध्यक्ष ने रोड़वेज में चैकिंग प्रणाली को और अधिक दुरस्त कर राजस्व रिसाव को रोकने तथा निगम के लिए भविष्य की कार्ययोजना तैयार करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में बोर्ड ने कार्यशील पूंजी एवं बस खरीद हेतु राजस्थान स्टेट पॉवर फाइनेंस एवं फाइनेंसियल सर्विस कॉरपोरेशन लिमिटेड से 95 करोड़ का ऋण लेने का अनुमोदन भी किया।

इसके साथ ही बैठक में गत सभाओं में लिए गए निर्णयों की समीक्षा की गई।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com